Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

A–323

B.A. (Part–III) Examination, 2022

RAJASTHANI

Paper - II

(राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जवाब हिन्दी या राजस्थानी में दिया जाय सके)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. नीचै लिख्योड़ा सवालां रा उत्तर देवो। (सबद सीमा **50** सबद) :

(i) राजस्थानी भासा रो उद्‌भव किण अपभ्रंस सूं मानी जै ?

(ii) राजस्थानी भासा री जुनी लिपि किसी है ?

(iii) राजस्थानी भासा री प्रमुख बोलियां रा नांव लिखो।

(iv) 'भणत' गीत कद गायो जावै ?

(v) राजस्थानी भासा री दो चावी पत्रिकावां रा नांव लिखो।

(vi) दो पहेलिया लिखो।

(vii) 'अगाड़ी' कहाणी रै लेखक रो नांव बताओ।

(viii) 'कट्योड़ो किन्नौ' किण विधा री रचना है ? लेखक रो नांव बताओ।

(ix) 'पूंगी' व्यंग्य रो लेखक कुण है ? इण मांय आयी सुपिरिया कुण दी ?

(x) पांच आभूषणा रा रांव लिखता थकां बताओ बै कठै-कठै पैरया जावै।

खण्ड–ब

नोट :– किणी पाँच सवालां रा उत्तर देवो। (सबद सीमा **200** सबद)।

2. राजस्थानी भासा रै उद्भव अर विकास पर अेक आलेख लिखो।

3. राजस्थानी संत काव्य परम्परा पर अेक निबंध लिखो।

4. प्रेमाख्यानमूलक काव्य परम्परा पर विस्तार सूं आलेख लिखो।

5. 'कूदण बाबो' संस्मरण रा मूल भाव आपरै सबदां मांय उकेरो।

6. राजस्थानी कहावतां पर अेक आलेख लिखो।

7. राजस्थान रै लोक चावै मेळा रो वर्णन आपरै सबदां मांय उकेरो।

8. नीचै लिख्यां विसया पर आपरा अमोलक विचार लिखो–

(क) राजस्थानी री वेस-भूसा अर गैणा गांठा।

(ख) राजस्थानी री व्रत कथावा।

खण्ड–स

नोट :– नीचै लिख्यां सवालां मांय सूं किणी **दो** रा जबाब देवो। (सबद सीमा **500** सबद) :

9. प्राचीन राजस्थानी काव्य पर अेक आलेख लिखो।

10. राजस्थानी लोकगीतां रो वर्गीकरण करता थकां उणा री खासियता बताओ।

11. पूंगी व्यंग्य रै मूळ भावां री विरोळ करो।

12. राजस्थानी लोककथावां रो वर्गीकरण करता थकां उणा री पुखता जाणकारी करावो।